छपरा से लखनऊ तक दौड़ सकेंगी एक साथ दो ट्रेनें

एक्सप्रेस ट्रेनों से सफर करने में एक घंटे बचेगा

● राजन राय

गोरखपुर। छपरा से लखनऊ के बीच अप्रैल से एक साथ दो ट्रेनें दौड़ सकेंगी। मार्च तक इस रेलखंड पर दोहरीकरण का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद एक्सप्रेस ट्रेनों के सफर में करीब एक घंटे की बचत होगी। इस रूट की ट्रेनों का नया शेड्यूल तैयार किया जा रहा है। एक जुलाई से नए शेड्यूल के अनुसार ट्रेनें चलाई जाएंगी।

गोरखपुर से छपरा के बीच 459 किलोमीटर की दूरी में सिर्फ 39 किलोमीटर ही दोहरीकरण का कार्य बाकी है। दो फरवरी को नूनखार-भाटपाररानी-भटनी के बीच दोहरीकरण का कार्य भी पूरा कर लिया गया। लखनऊ से गोरखपुर तक दोहरीकरण का कार्य दिसंबर में ही पूरा हो गया था। चौरीचौरा से

- मार्च तक पूरा हो जाएगा रेल दोहरीकरण कार्य
- एक जुलाई से नए शेड्यूल के मुताबिक चलेंगी ट्रेनें

“चौरीचौरा से नूनखार के बीच 39 किलोमीटर दोहरीकरण का कार्य बाकी है। इसे मार्च में पूरा करने का लक्ष्य बनाया गया है। इसके बाद ट्रेनों का नया शेड्यूल तैयार किया जाएगा। एक जुलाई से नये शेड्यूल के मुताबिक ट्रेनें चलेंगी। दोहरीकरण हो जाने से ट्रेनें जल्दी पहुंचेंगी और यात्रियों के समय की बचत होगी।-**आलोक कुमार सिंह, सीपीआरओ एनईआर**

नूनखार के बीच शेष बचा दोहरीकरण का कार्य मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य रेलवे ने तय किया है।

डबल लाइन हो जाने के बाद ट्रेनें फर्राटे से चलेंगी। क्रॉसिंग या स्टेशनों पर ट्रेनों को सिग्नल के चलते नहीं रोकना पड़ेगा क्योंकि एक साथ दो ट्रेनें गुजर सकेंगी। जिससे समय की भी बचत होगी। छपरा से लखनऊ वाया गोरखपुर होकर जाने वाली करीब 165 एक्सप्रेस ट्रेनों के चलने का समय बदल जाएगा।